

अशिकेशं.—E पैत्रे.—D, S उज्जयिनिक, A औज्जयिनिक, E औज्जयनोयक, G उज्जयिनिक.—57. A, S, B, D प्राज्ञ for तज्ज्ञ.—A कंवोजौ.—58. G कुकुल for रलक, S, and C in the text रलक, but C afterwards considers it to be अलक, and r. with B नाथस्य हन्यते.—S मैत्र्ये.—A, S पौंड्रा०.—59. D जलदेवे.—C, A, S, G वैद्य.—A विश्वदेवे.—60. G केकय.—D सीहला०.—A, S, G चांगं, D वंगं.—61. E (अ) तिष्ठेष्टा, the others but S, D (अ) भिष्ठेष्टा.—D, E चोलावगाण, C in one Cod. चोलावकाण, in another चोलावंगण, S चोलावंगकौकन, A चोलावलकौकन, G originally चूलावंगाना, changed afterwards into चोलाकांका०.—62. C, A, S, हतो.—G तत्प्रभवांस्य.—S विगत, A विनिहत.—A, S, D, and G in the margin have one stanza more :
 दृष्टः षोडश वासरान्न शुभदः कैश्चित्प्रदिष्टः शिखो सर्वारम्भफलप्रदो हि नियतं
 चैत्रे ऽथवा माघवे । ऋक्षं यत्परिभुक्तपोडित (D भुक्तधूमित) हतं यदा (D दग्धं)
 शिखाभेदितं तत्सर्वं परिवर्ज्य शुद्धमपरं पाणिग्रहे वास्तुषु ॥

CHAPTER XII.

The opening stanza is wanting in C, B, E and originally also in G. It is to be found in C only as a quotation from the author's Samâsa-Sanhitâ. v. rr. are : (C,) D, G वातापो.—(C) कुक्षिभिः, G निजकुक्षिणा.—D पीत्वा त्वम्बुनिधेः पयोसि विपुला याम्या च.—(C) पयोद्युतिस्तित्तारः D पयोध्युतिस्तित्तारः, A, S, G मयाद्य सुहृतस्तारः ; हृत : is Genit. case.—1. E समुद्रातैः.—G निकर for नखर.—S मुक्ता० for रत्ना०.—3. S लंभित for थापित, A *prima manu* लंभित.—6. A प्रियाभषण्यग्रदतांगदेहा०.—E लंबाहाराभ्यु० ;—C अति for अभि.—D ध्वजेच्छायशोभितं, S ध्वजेच्छायशोभं पुरा, E the same, but om. पुरा.—N करिकरट.—A मदमोदमिश्रि०.—A *sec. manu*, and B द्विरेफालिगीतमंद्रखनैः, G *prima manu* द्विरेफावलीसंहृष्टमंद्रखनैः, *sec. manu* added गीत before सं०, N द्विरेफावलीगीतसंहृष्टमंद्र०, S the same, but मंद, E द्विरेफावलीमंद्रगीतखनैः, C द्विरेफालिसंहृष्टमंद्रखनैः.—A om. शार्दूल.—A, S, D सुरसौसमाध्यासि०, N सुरसौसमाभ्यासि०.—A अंभोशनानासन्नमू० D अंभोऽशनाशमू०, E अंभोशनानंदविप्राश्रमौघान्वितं.—S अर्चित for अर्चित.—7. All but C कुसुमा०.—8. E वाकम्.—C आपुष्पतीं, expl. by आपोष्यमानाम्!, A आपुष्पतीं.—A रत्नोद्भूत.—S सरत्, the others शरत्, which I have changed into सरित्.—9. All शरद्, changed by me into सरिद्.—11. E, G कीर्ण for पूर्ण.—S अर्द्धम्.—A नाम्नः.—13. All but A, S, N अर्थ for अर्ध.—14. A तथा for तच्च.—All but E उज्जयिन्यां.—15. C विभागो.—C once अर्थ, once अर्ध.—16. C, N, G भक्षे०, although C expl. by अपूपादिभिः.—17. C, D ददसर्ध.—All but C, N ददानः.—All but C